# UPSC Daily Current Affairs 16 AUG 2021

## ताइवान जलसंधि

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द ट्रिब्यून)**

### खबरों में क्यों है?

- हाल में, ताइवान ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच में वर्चुअल चर्चाओं के दौरान ताइवान जलसंधि में शांति और स्थिरता को शामिल करने के लिए चतुर्पद सुरक्षा बातचीत (क्वाड) के सदस्यों को सार्वजनिक तौर पर धन्यवाद देकर चीन में और भी रोष पैदा कर दिया।

### पृष्ठभूमि

**चीन ने ताइवान में अभी तक की सबसे बड़ी हवाई घुसपैठ की**

- बाइडेन प्रशासन दशकों के बाद चीन के साथ ताइवान जलसंधि को तनाव के बिंदु के रूप में विकसित करने पर केंद्रित है।
- US, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ अपने संयुक्त वक्तव्यों में ताइवान जलसंधि का उल्लेख करने में सफल रहा है।
- ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि, इसका उल्लेख हाल के जी-7 शिखर सम्मेलन में किया गया जिसमें वर्चुअल तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए।
- तनाव उस समय के बाद भी बढ़ा जब जी-7 वक्तव्य में ताइवान का उल्लेख किया गया। कुछ दिन पूर्व अभी तक की सबसे बड़ी हवाई घुसपैठों में से एक हुई जिसमें 28 सैन्य वायुयानों ने ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में उड़ान भरी।

### ताइवान जलसंधि के बारे में जानकारी

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसे फारमोसा जलसंधि भी कहा जाता है, जो 180 किमी. चौड़ी जलसंधि है जो ताइवान और मुख्यभूमि चीन को अलग करती है।
- वर्तमान में यह जलसंधि दक्षिण चीन सागर का हिस्सा है और पूर्वी चीन सागर को उत्तर से जोड़ती है।
- इसका सबसे संकीर्ण हिस्सा 130 किमी. चौड़ा है।
- **यह संपूर्ण जलसंधि एशिया की महाद्वीपीय सीमा पर है।**
- ऐतिहासिक रूप से दोनों चीन पीपुल्स गणराज्य (PRC) और ताइवान एक चीन नीति को मानते हैं जिसके अनुसार यह जलसंधि एकल चीन के विशेष आर्थिक क्षेत्र का हिस्सा है।

**चतुर्पद सुरक्षा बातचीत (QUAD) के बारे में**

- दिसंबर 2012 में, शिंजो अबे ने एशिया के चतुर्पद सुरक्षा बातचीत (QUAD) की संकल्पना की बात कही थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और US शामिल हैं। इसका उद्देश्य हिंद महासागर से पश्चिमी प्रशांत तक समुद्री समानताओं की सुरक्षा करना है।
- नवंबर 2017 में, भारत, US, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने नई रणनीति विकसित करने के लिए लंबे समय से लंबित क्वाड गठबंधन को आकार दिया जिससे हिंद-प्रशांत में किसी भी प्रभाव से महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को मुक्त रखा जा सके।

## चमरघेंघ (ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क)

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- डाउन टू अर्थ)**

**खबरों में क्यों है?**

- हाल में, बिहार ने चरमघेंघ (लेप्टोप्टिलोज ड्यूबियस) को संरक्षित करने के अपने प्रयासों के तहत उनके आवागमन की निगरानी के लिए GPS ट्रैकर लगाए हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

**चमरघेंघ के बारे में जानकारी**

- इन्हें स्थानीय तौर पर 'गरुड़' कहा जाता है।
- चमरघेंघ दुनिया के सबसे ज्यादा संकटग्रस्त सारस प्रजातियों में से एक है और इसे विस्तृत तौर पर एक विरल पक्षी माना जाता है।

**प्रजनन केंद्र**

- भागलपुर के कड़वा दियारा बाढ़ मैदान क्षेत्र दुनिया में असम और कम्बोडिया के बाद चमरघेंघ के लिए तीसरे सबसे ज्यादा लोकप्रिय प्रजनन केंद्र है।

**संरक्षण की स्थिति**

- चमरघेंघ को संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN की लाल सूची 2004 में **'संकटग्रस्त'** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- इन्हें **भारतीय वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1972 की अनुसूची IV** के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है।

## व्हेल शार्क

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- डाउन टू अर्थ)**

**खबरों में क्यों है?**

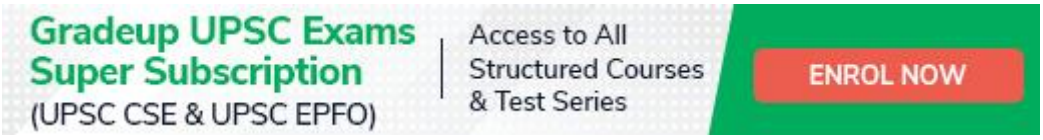

- हाल में, एक मादा व्हेल शार्क ओडिशा के पारादीप कट पर एक मछली पकड़ने वाले जाल में फंसने के बाद मर गई।

**व्हेल शार्क के बारे में जानकारी**

- व्हेल शार्क (रिनकोडॉन टाइपस) एक धीमी गति वाली, फिल्टर फीडिंग कारपेट शार्क है और यह सबसे बड़ी ज्ञात मछली की प्रजाति है।
- व्हेल शार्क उष्णकटिबंधीय महासागरों के खुले जलों में पाई जाती है और यह 21 डिग्री सेल्सियस (70 डिग्री फारेनहाइट) से नीचे तापमान के जल में कभी-कभार ही पाई जाती है।
- वे अधिकांशतः **मन्नार की खाड़ी और गुजरात तट** में पाई जाती हैं।

**संरक्षण की स्थिति**

- व्हेल शार्क IUCN लाल सूची के अनुसार एक **संकटग्रस्त** प्रजाति है।
- इन्हें वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972 की अनुसूची I के तहत अधिसूचित किया गया है।

## रामसर स्थल

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)**

**खबरों में क्यों है?**

- हाल में, भारत से चार और नमभूमियां रामसर स्थल में जोड़ी गई हैं और उन्हें रामसर संधि के अंतर्गत वैश्विक महत्व की नमभूमियों के रूप में मान्यता दी गई है।

**ये हैं**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- **गुजरात** से **थोल** और **वाधवाना**
- **हरियाणा** से सुल्**तानपुर** और **भिंडावास**

**भिंडावास वन्यजीवन अभ्यारण्य के बारे में जानकारी**

- यह हरियाणा का सबसे बड़ी नमभूमि है जो मानव निर्मित ताजाजल नमभूमि है।
- **संकटग्रस्त प्रजातियां:**
  - **खतरे वाले** मिस्र के गिद्ध, घास के मैदान वाली चीलें, पलास की फिश चील और काले पेट वाले टेर्न।

**सुल्तानपुर राष्ट्रीय पार्क**

- यह जीवनचक्रों के महत्वपूर्ण चरणों वाली निवासी, जाड़े वाले प्रवासी और स्थानीय प्रवासी जलपक्षियों की 220 से ज्यादा प्रजातियों को समर्थन करता है।
- **संकटग्रस्त प्रजातियां:**
  - **गंभीर रूप से खतरे वाले** सामाजिक लैपविंग और **संकटग्रस्त** मिस्र के गिद्ध, सेकर बाज, पलास की मछली चील और काले पेट वाले टेर्न।

**थोल झील वन्यजीवन अभ्यारण्य के बारे में जानकारी**

- यह मध्य एशियाई फ्लाईवे पर पड़ता है और 320 से ज्यादा पक्षी प्रजातियों यहां पर पाई जा सकती हैं।
- **संकटग्रस्त प्रजातियां:**
  - गंभीर रूप से खतरे वाले सफेद पूंछ वाले गिद्ध और सामाजिक लैपविंग, और कमजोर सारस क्रेन, कॉमन पोचर्ड और लेसर फ्रंटेड बत्तख।

**वाधवाना नमभूमि के बारे में जानकारी**

- यह प्रवासी जलपक्षियों के लिए एक शीतकालीन मैदान है जिसमें 80 से ज्यादा प्रजातियां शामिल हैं जो मध्य एशियाई फ्लाईवे पर प्रवास करती हैं।
- **संकटग्रस्त प्रजातियां:**
  - **खतरे वाले** पलास की फिश चील, कमजोर कॉमन पोचर्ड, और **लगभग संकटगस्त** डालमेशियन पेलिकन, धूसर सिर वाली फिश चील और फेरूजिनस बत्तख।

**भारत में रामसर स्थलों की संख्या**

- भारत में रामसर स्थलों की संख्या 46 तक पहुँच गई है।
- **ये 46 स्थल 1,083,322 हेक्टेयर** सतह क्षेत्रफल को आच्छादित करते हैं।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

## प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर योजना

### (विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

**खबरों में क्यों है?**

- भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस पर, प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि केंद्र 'प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर योजना' की शुरुआत करेगी।

**प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर योजना के बारे में जानकारी**

- यह 'सर्वांगीण अवसंरचना' के विकास के लिए रु. 100 लाख करोड़ की परियोजना है।
- यह योजना एक सर्वांगीण अवसंरचना मास्टर योजना को उपलब्ध कराएगी जिसका उद्देश्य देश के एकीकृत मार्ग के लिए एक आधारशिला बनाना है।
- यह परियोजना भविष्य में युवाओं के लिए रोजगार अवसरों का स्रोत बनेगी।
- यह सर्वांगीण अवसंरचना के लिए आधारशिला का निर्माण करेगी और हमारी अर्थव्यवस्था को एक एकीकृत मार्ग देगी।

**परियोजना के केंद्रीय क्षेत्र**

- यह स्थानीय विनिर्माणकर्ताओं के वैश्विक प्रोफाइल को बढ़ाने में मदद देगी और फिर विश्व भर में अपने प्रतियोगियों से प्रतिद्व्न्दिता करने में उन्हें मदद देगी।
- यह भविष्य के नए आर्थिक क्षेत्रों की संभावनाओं को भी बढ़ाएगी।

## प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2021

### (विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

**खबरों में क्यों है?**

- पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2021 को अधिसूचित किया है।

**प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2021 के बारे में जानकारी**

- इन नियमों का लक्ष्य 2022 तक विशिष्ट एकल प्रयोग प्लास्टिक वस्तुओं के प्रयोग का निषेध करना है जिनकी निम्न उपयोगिता और कूड़ा फैलाने की उच्च संभावना है।

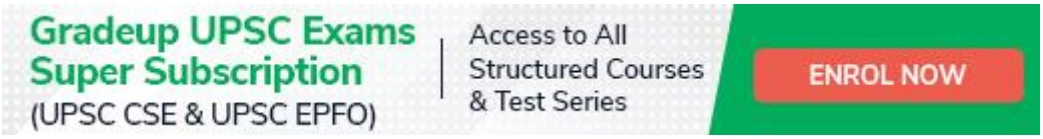

**नियमों के प्रमुख प्रावधान:**

- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड साथ ही राज्य प्रदूषण निकाय, प्रतिबंध की निगरानी करेंगे, उल्लंघन की पहचान करेंगे और पर्यावरणीय संरक्षण कानून, 1986 के तहत पहले से निर्धारित अर्थदंड को लगाएंगी।

**प्रतिबंधित प्लास्टिकों की श्रृंखला**

- निम्नलिखित एकल प्रयोग प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और प्रयोग जिसमें पॉलीस्टाइरीन और विस्तारित पॉलीस्टाइरीन शामिल हैं, को 1 जुलाई 2022 से निषेध कर दिया जाएगा :-
  a. प्लास्टिक स्टिक वाली कानों की बड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक स्टिक्स, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक्स, आइसक्रीम स्टिक्स, सजावट के लिए पॉलीस्टाइरीन (थर्मोकोल);
  **b.** प्लेटें, कप, गिलास, कटलरी जैसे कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे, मिठाई के डिब्बों पर लगाया जाने वाला रैपर अथवा पैकिंग फिल्म. आमंत्रण कार्ड और सिगरेट के पैकेट, प्लास्टिक अथवा पीवीसी के बैनर जो **100 माइक्रॉन से कम हों, चलाने वाले बर्तन।**

**प्लास्टिक की मोटाई**

- मोटाई को **50 माइक्रॉन से 75 माइक्रॉन** कर दिया गया है और 31 दिसंबर 2022 से **120 माइक्रॉन** कर दिया जाएगा।
- मोटाई में वृद्धि की वजह से प्लास्टिक के पुनर्प्रयोग को अनुमति भी मिलेगी।
- प्लास्टिक पैकेंजिंग अपशिष्ट, जिसे पहचान वाले एकल प्रयोग प्लास्टिक वस्तुओं के चरणबद्ध तरीके से हटाने के अंतर्गत कवर नहीं किया गया है, को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार उत्पादक, आयातक और ब्रांड स्वामी की विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी के द्वारा एक पर्यावरणीय सतत तरीके से संग्रहित और प्रबंधित किया जाएगा।
- विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए, विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी के लिए दिशा-निर्देश जो दिए गए हैं, को प्लास्टिक अपशिष्ट **प्रबंधन संशोधन नियम, 2021** के द्वारा कानूनी शक्ति दी गई है।

## शहरी स्वयं सहायता समूह के उत्पादों के लिए 'सोनचिरैया'

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)**

**खबरों में क्यों है?**

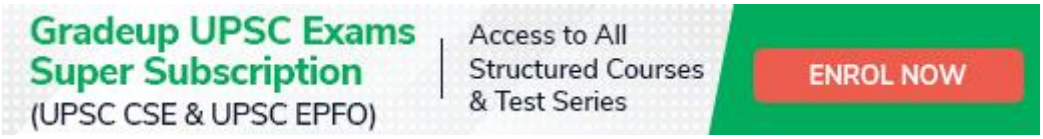

- आवास और शहरी मामले के मंत्रालय ने हाल में **शहरी स्वयं सहायता समूह (SHG) उत्पादों के विपणन के लिए सोनचिरैया (ब्रांड और लोगो) की शुरुआत की है।**

**'सोन चिरैया' के बारे में जानकारी**

**उद्देश्य**

- यह महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाएगी और उनके द्वारा सम्मानपूर्ण जीवन जीना सरकार की प्राथमिकता में है।
- यह पहल शहरी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों के लिए बढ़ी हुई दृश्यता और वैश्विक पहुँच की ओर निश्चित तौर पर एक कदम साबित होगा।
- DAY-NULM, जो आवास और शहरी मामले के मंत्रालय के अंतर्गत है, ने शहरी गरीब महिलाओं को पर्याप्त कौशल और अवसरों से लैस करने पर ध्यान दिया है, और सतत सूक्ष्म उद्यमों के प्रोत्साहन के द्वारा उन्हें सक्षम बनाने का बीड़ा उठाया है।

## डिजिटल वाणिज्य के लिए खुला नेटवर्क (ONDC)

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)**

**खबरों में क्यों है?**

- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने हाल में एक बैठक की अध्यक्षता की जिसका उद्देश्य उद्योग एवं आंतरिक व्यापार के प्रोत्साहन के वास्ते विभाग की डिजिटल वाणिज्य पहल के लिए खुले नेटवर्क की समीक्षा करना था।

**डिजिटल वाणिज्य के लिए खुला नेटवर्क के बारे में जानकारी**

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- ONDC नेटवर्क में डाटा की गोपनीयता और निजता को सुनिश्चित करने के लिए सभी उपायों को करेगा।
- OONDC भागीदारों द्वारा किसी लेनदेन स्तर के डाटा की साझेदारी का शासनादेश नहीं देगा।
- OONDC बिना गोपनीयता और निजता पर समझौता किए हुए नेटवर्क प्रदर्शन पर गुप्त सकल मीट्रिक्स का प्रकाशन करने के लिए अपने भागीदारों के साथ कार्य करेगा।
- ONDC अपने क्रेताओं और बिक्रेताओं को डिजिटल तौर पर दिखाई देने और एक खुले नेटवर्क के द्वारा लेनदेन करने में सक्षम बनाएगा।

gradeup

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW